>

Title: Need to give compensation to farmers who lost their crops due to frost and hailstorm.

**श्री गणेश सिंह (सतना):** अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान मध्य प्रदेश में लगातार प्राकृतिक आपदाओं से जिस तरह से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है, उस तरफ दिलाना चाहता हूं। जनवरी के महीने में तेज पाले के कारण हमारे प्रदेश के 20 जिलों में फसलों का नुकसान हुआ था। फरवरी महीने में तेज तूफान, आंधी और ओला पड़ने के कारण भयंकर नुकसान हुआ था। इसी तरह से अभ 15 मार्च को और कल तक भयंकर ओलावृष्टि हुई जिससे प्रदेश के 45 जिले प्रभावित हुए, 2000 करोड़ रुपये की फसल नष्ट हुई है, 1000 से ज्यादा जानवर मर गए, 24 लोग बिजली गिरने से मर गए। मध्य प्रदेश सरकार ने अब तक 300-400 करोड़ रुपये की राहत दी जा चुकी है ।

मैं भारत सरकार से मांग करना चाहता हूं कि वहां एक केंद्रीय अध्ययन दल भेजा जाए। व्यावसायिक बैंकों से किसानों ने जो लोन लिया था, उसकी वसूली पर भुगतान मुल्तवी किया जाए और राहत राशि देने का कार्य किया जाए। राज्य सरकार सर्वे करा रही है, केन्द्र सरकार किसानों को तत्काल राहत देने की कार्यवाही करे।

**अध्यक्ष महोदया :** श्री सज्जन वर्मा, आप इनके साथ एसोसिएट कर लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्री सज्जन वर्मा (देवास):** मैडम, मेरा शून्य काल का नोटिस है।...(व्यवधान) मेरा शून्य काल लगा है, जिसका शून्य काल नहीं लगा है, उसे बोलने का मौका दिया जा रहा है।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** यह क्या बोल रहे हैं आप? आपका नहीं है, उनका है। आप बोलिए जल्दी।

**श्री सज्जन वर्मा :** मैडम, मध्य प्रदेश के मालवा अंचल में, बुंदेलखण्ड में और विंध्याचल में भयानक ओलावृष्टि हुई है। किसान आत्महत्या की तरफ प्रवृत्त हो रहे हैं। केंद्र सरकार से मैं अनुरोध करता हूं कि एक विशेष पैकेज मालवा के किसानों के लिए दिया जाए और मध्य प्रदेश सरकार को यह निर्देश दिया जाए कि बिजली के बिल माफ करें, जो कर्ज की वसूल है, उसे स्थगित किया जाए। ...(व्यवधान) मालवा के किसानों के लिए जल्दी से जल्दी एक पैकेज केंद्र सरकार घोषित करे, वरना मध्य प्रदेश का किसान आत्महत्या की ओर प्रवृत्त होगा जिसकी जवाबदेही प्रदेश और केंद्र सरकार की होगी।